# ई-संदेश

13 नवंबर, 2025 | अंक 179

## सात दिन - सात पृष्ठ

**मुख्यमंत्री जी ने 14वें एफ0आई0एच0 हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप की ट्रॉफी का स्वागत एवं अनावरण किया**

- प्रधानमंत्री ने बनारस रेलवे स्टेशन, वाराणसी से वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का शुभारम्भ किया, कार्यक्रम में उ0प्र0 के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपस्थित रहे।
- राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' भारत की भक्ति व शक्ति की सामूहिक तथा शाश्वत अभिव्यक्ति का स्वरूप : मुख्यमंत्री
- महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय किसानों की समृद्धि तथा नौजवानों को रोजगार उपलब्ध कराने का माध्यम बनेगा : मुख्यमंत्री
- 'एकता यात्रा' सरदार वल्लभ भाई पटेल के योगदान व संघर्ष को स्मरण करने तथा उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर : मुख्यमंत्री
- राष्ट्रीय एकता केवल एक शब्द नहीं, बल्कि हमारी आन-बान-शान है : मुख्यमंत्री
- उ0प्र0 में प्रतियोगिता की ट्रॉफी का आना प्रदेश में हॉकी के स्वर्णिम इतिहास का स्मरण और गौरवान्वित करने वाला क्षण : मुख्यमंत्री
- स्टैच्यू ऑफ यूनिटी भारत की एकता की प्रतिमूर्ति, यह प्रधानमंत्री जी के विजन का परिणाम : मुख्यमंत्री
- देखो अपना देश' की पहल के अंतर्गत 'भारत पर्व-2025
- भारत पर्व 2025 सांस्कृतिक कार्यक्रम का अवलोकन करते मुख्यमंत्री

**नए भारत का नया उत्तर प्रदेश**

## प्रधानमंत्री ने बनारस रेलवे स्टेशन, वाराणसी से वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का शुभारम्भ किया, कार्यक्रम में उ0प्र0 के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 08 नवम्बर, 2025 को बनारस रेलवे स्टेशन, वाराणसी से बनारस-खजुराहो, लखनऊ-सहारनपुर, फिरोजपुर-दिल्ली तथा एरणाकुलम-बेंगलुरु के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का हरी झण्डी दिखाकर शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री जी ने कहा कि वंदे भारत भारतीयों की, भारतीयों द्वारा, भारतीयों के लिए बनाई हुई ट्रेन है, जिस पर प्रत्येक भारतीय को गर्व है। विदेशी यात्री भी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को देखकर अचम्भित होते हैं। आज जिस प्रकार भारत ने विकसित भारत बनने के लिए अपने साधनों को श्रेष्ठ बनाने का अभियान शुरु किया है, यह ट्रेनें उस अभियान में मील का पत्थर बनेंगी।

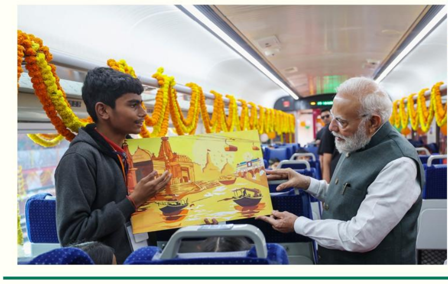

# राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' भारत की भक्ति व शक्ति की सामूहिक तथा शाश्वत अभिव्यक्ति का स्वरूप : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 07 नवम्बर, 2025 को यहां लखनऊ में राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' के रचयिता स्व0 बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जी को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने यहां लोक भवन में राष्ट्रवाद के अग्रदूत बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जी द्वारा सन् 1875 में रचित राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'वन्दे मातरम्' के सामूहिक गायन एवं स्वदेशी का संकल्प कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कहा कि राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' भारत की भक्ति व शक्ति की सामूहिक तथा शाश्वत अभिव्यक्ति का स्वरूप है। वन्दे मातरम् भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान अमर मंत्र बना था। विदेशी हुकूमत द्वारा दी जाने वाली अनेक यातनाओं की परवाह किए बिना भारत के प्रत्येक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तथा क्रान्तिकारी ने इस गीत के साथ प्रत्येक गांव तथा नगर में प्रभात फेरी के माध्यम से सामूहिक चेतना का प्रसार किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देशवासियों को राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने पर स्मरणोत्सव आयोजित करने के लिए प्रेरणा प्रदान की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ 'वन्दे मातरम्' गीत का सामूहिक गायन किया। इसके पूर्व, मुख्यमंत्री जी ने संस्कृति विभाग द्वारा लगाई गयी राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'वन्दे मातरम्' केवल एक व्यक्ति, जाति, मत, मजहब, क्षेत्र, वर्ग या भाषा का प्रतिनिधित्व नहीं करता, बल्कि संस्कृत और बांग्ला भाषा की सामूहिक अभिव्यक्ति को प्रदर्शित करते हुए, सम्पूर्ण भारत को एक राष्ट्र के भाव के साथ जोड़ने का अमर गीत है। प्रत्येक भारतीय के मन में यह अभिव्यक्ति सहज और सरल रुप से उस समय दिखायी दी, जब विदेशी हुकूमत ने सन् 1905 में बंग भंग के माध्यम से भारत की भुजाओं को काटने का दुस्साहसिक निर्णय लिया था। उस समय 'वन्दे मातरम्' गीत ने देशवासियों को एकजुट होकर ब्रिटिश हुकूमत का प्रतिकार करने की प्रेरणा दी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देश की आजादी के आंदोलन के दौरान क्रांतिकारियों ने फांसी के फंदे को चूमते हुए 'वन्दे मातरम्' गीत का गायन किया था। यह गीत स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों द्वारा प्रयोग किए जाने वाले प्रत्येक स्लोगन का हिस्सा बना। वन्दे मातरम् भारत की सामूहिक अभिव्यक्ति का प्रतिनिधित्व करते हुए सम्पूर्ण देश को एकता के सूत्र में बांधने वाला ऐसा मंत्र बना, जिसके माध्यम से व्यक्ति जाति, मत और मजहब से ऊपर उठकर राष्ट्र के बारे में सोच सकता है। राष्ट्र प्रथम के भाव के साथ हम सब की सामूहिक अभिव्यक्ति राष्ट्र माता के प्रति होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह गीत बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय जी के उस अमर उपन्यास आनंद मठ पर आधारित है। इन स्वरों को सन्यासियों ने एक आंदोलन का रूप दिया। यह अमर गीत भारत को नई दिशा देने तथा सामूहिक चेतना को आगे बढ़ाने में सफल हुआ है। 150 वर्षों से यह राष्ट्रगीत देश में राष्ट्रीयता का भाव उत्पन्न करने में सफल हुआ है। हम सब 'वन्दे मातरम्' का हिस्सा हो सकते हैं। 'वन्दे मातरम्' हमें किसी उपासना विधि, व्यक्ति विशेष का आग्रही नहीं बनाता। यह हमें अपने कर्तव्यों के प्रति आग्रही बनाता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बाबा साहब डॉ0 भीमराव आंबेडकर ने हमें अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा दी। यही बात हमारे प्रधानमंत्री जी भी कहते हैं कि हमें अपने कर्तव्यों के प्रति सदैव सजग रहना चाहिए, ताकि यह कर्तव्य हमारी वर्तमान व भावी पीढ़ी का भविष्य उज्ज्वल बना सकें।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जब एक शिक्षक अपने छात्र को संस्कारवान बनाता है। जवान विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए देश की सीमाओं की रक्षा करता है। जब भारत का प्रत्येक नागरिक स्वार्थ से ऊपर उठकर अपने कर्तव्यों का पालन करता है, तो सही मायने में वह 'वन्दे मातरम्' गीत का ही गान कर रहा होता है। 'वन्दे मातरम्' के प्रति यही हम सबका दायित्व है।

इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री एस0पी0 गोयल, अपर मुख्य सचिव वित्त श्री दीपक कुमार, पुलिस महानिदेशक श्री राजीव कृष्ण, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री, गृह एवं सूचना श्री संजय प्रसाद सहित शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

## महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय किसानों की समृद्धि तथा नौजवानों को रोजगार उपलब्ध कराने का माध्यम बनेगा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 09 नवम्बर, 2025 को जनपद कुशीनगर में महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण तथा प्रगति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जुलाई, 2026 से प्रारम्भ होने वाले सत्र से महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में पठन-पाठन कार्य प्रारम्भ करने के लिए अभी से युद्धस्तर पर प्रयास किए जाएं। कार्यदायी संस्था द्वारा विश्वविद्यालय भवन निर्माण लक्षित समय-सीमा अक्टूबर, 2026 से पूर्व ही पूरा करने की कोशिश की जाए। साथ ही, निर्माण कार्यों में गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री जी ने विश्वविद्यालय के निरीक्षण के उपरान्त मीडिया प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार की ओर से यह विश्वविद्यालय अन्नदाता किसानों के लिए उपहार है। महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय किसानों की समृद्धि का माध्यम बनेगा और नौजवानों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि महात्मा बुद्ध के नाम पर कुशीनगर में बन रहा यह कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगा। विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य तेजी से हो रहा है। अब प्रयास इस बात पर होना चाहिए कि अगले सत्र में पठन-पाठन का कार्य प्रारम्भ हो जाए। कार्यदायी संस्था ने अक्टूबर, 2026 तक बिल्डिंग बना कर देने को कहा है। निर्देश दिए गए हैं कि उससे पहले ही बिल्डिंग तैयार कर देने का प्रयास किया जाए, ताकि जुलाई 2026 तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर माह अगस्त-सितम्बर में महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में नियमित पठन-पाठन प्रारम्भ कर दिया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कृषि की दृष्टि से कुशीनगर और आसपास का क्षेत्र अत्यंत समृद्ध है। यहां की भूमि उर्वरा है। पर्याप्त जल संसाधन मौजूद है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में विकास के लिए इस क्षेत्र को बेहतर कनेक्टिविटी भी मिल गई है। उन्होंने कहा कि ऐसे में यह कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय नागरिकों, अन्नदाता किसानों, औद्यानिक फसल उगाने वालों और गन्ना उपजाने वालों की समृद्धि के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

## 'एकता यात्रा' सरदार वल्लभ भाई पटेल के योगदान व संघर्ष को स्मरण करने तथा उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 10 नवंबर, 2025 को जनपद गोरखपुर में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जन्म जयंती माह के अन्तर्गत आयोजित 'एकता यात्रा' तथा 'वन्दे मातरम्' का सामूहिक गायन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। समारोह के प्रारम्भ में मुख्यमंत्री जी ने रानी लक्ष्मी बाई तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा तथा भारत माता एवं बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किये।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह 'एकता यात्रा' स्वदेशी व स्वावलंबन तथा देश की एकता व अखण्डता के लिए लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के योगदान व संघर्ष को स्मरण करने तथा उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर प्रदान करती है। सरदार पटेल भारत माता के महान सपूत तथा भारत की अखण्डता के शिल्पी हैं। उन्होंने कहा था कि स्वतंत्रता का अर्थ केवल आजाद होना नहीं, बल्कि जिम्मेदारी से राष्ट्र की सेवा तथा अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना है। जिस देश का युवा जागरूक होता है, उस देश को कोई गुलाम नहीं बना सकता। हमारे युवाओं को राष्ट्रीयता के प्रति जागरुक होना चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयन्ती माह को सम्पूर्ण देश में उमंग एवं उत्साह के साथ विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से मनाया जा रहा है। भारत की वर्तमान पीढ़ी के मन में सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रति सम्मान का भाव सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पहली बार श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने अखिल भारतीय स्तर पर 31 अक्टूबर को लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को आयोजित करने का निर्णय लिया था। यह आयोजन वृहद स्तर पर राष्ट्रीय एकता को अखण्ड बनाने का एक माध्यम था।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में आयोजित किया जाने लगा। दुनिया की सबसे विशाल और विराट प्रतिमा 'यूनिटी ऑफ स्टैच्यू' केवड़िया, गुजरात में सरदार सरोवर के तट पर स्थापित की गयी है। यह एकता की मूर्ति सम्पूर्ण भारत को मार्गदर्शन प्रदान कर रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती पर प्रत्येक जनपद में 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन किया गया। व्यापक जन जागरण की दृष्टि से सरदार पटेल के व्यक्तित्व और कृतित्व से जुड़े विभिन्न प्रसंगों तथा स्वदेशी, स्वावलम्बन तथा राष्ट्रीय एकता पर आधारित अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। प्रदेश के समस्त जनपदों में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम के पश्चात अब एकता यात्रा प्रारम्भ की जा रही। प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रीयता का भाव पैदा करने के उद्देश्य से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 10 किलोमीटर की एकता यात्रा स्वदेशी और स्वावलंबन के दृष्टिगत व्यापक जन जागरण कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' एक ऐसा गीत है, जिसने पूरे भारत की सोई हुई चेतना को जगाने का कार्य किया। क्रान्तिकारी 'वन्दे मातरम्' का उद्घोष करते हुए देश की आजादी के आंदोलन में शामिल हुए। प्रत्येक आयु वर्ष के लोगों के लिए 'वन्दे मातरम्' का यह उद्घोष देश को हुकूमत से मुक्त कराने का मंत्र बन गया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कोई भी व्यक्ति, जाति व मजहब, राष्ट्र से बढ़कर नहीं हो सकता। हम सब भारतवासियों को ध्यान रखना होगा कि अगर हमारी आस्था हमारी राष्ट्रीय एकता व अखण्डता में बाधा पैदा कर रही है, तो अपनी आस्था को किनारे रखकर सबसे पहले राष्ट्रीय अखण्डता के लिए प्राणपण से जूझने के लिए स्वयं को तैयार होना होगा। भारत के नागरिक के रूप में यह हमारा दायित्व है। 'वन्दे मातरम्' का विरोध भारत के विभाजन का दुर्भाग्यपूर्ण कारण बना।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हम सब धरती माता के पुत्र हैं। यदि मां के सम्मान पर कोई आंच आए, तो पुत्र होने के नाते हमारा दायित्व है कि भारत के प्रति निष्ठावान होकर राष्ट्रीय एकता व अखण्डता के लिए कार्य करें। हमारा दायित्व है कि हम समाज को बांटने वाले उन कारणों को ढूढ़ें, जो जाति, क्षेत्र, भाषा के नाम पर विभाजित करने का कार्य करते हैं। प्रत्येक नागरिक को इसके विरुद्ध खड़ा होना पड़ेगा।

सभी स्कूलों, कॉलेजों में सरदार पटेल के योगदान व संघर्षों पर आधारित डिबेट होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक शिक्षण संस्थान में राष्ट्र गीत का गायन अनिवार्य रूप से किया जाएगा, जिससे प्रदेश के प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रीयता का भाव उत्पन्न हो सके।

# राष्ट्रीय एकता केवल एक शब्द नहीं, बल्कि हमारी आन-बान-शान है : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 11 नवम्बर, 2025 को जनपद बाराबंकी में लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयन्ती समारोह अभियान के अन्तर्गत 'एकता यात्रा' के शुभारम्भ अवसर पर 1,734 करोड़ रुपये की 254 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने सरदार वल्लभ भाई पटेल तथा बाबा साहब डॉ0 बी0आर0 आम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया। कार्यक्रम में उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक/प्रमाण-पत्र वितरित किये।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार प्रदेश में विरासत का सम्मान करते हुए विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। राज्य सरकार बाबा लोधेश्वर नाथ की पावन धरा को श्री काशी विश्वनाथ धाम की तर्ज पर महादेवा कॉरिडोर में बदलने का कार्य कर रही है। हॉकी के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित करने वाले बाराबंकी के लाल के0डी0 सिंह 'बाबू' की हवेली को एक भव्य म्यूजियम के रूप में विकसित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह वर्ष नये भारत का दिग्दर्शन कराने वाला वर्ष है। अखण्ड भारत के शिल्पी लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के 150 वर्ष पूर्ण होने के साथ राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' ने अपनी रचना के 150वें वर्ष में प्रवेश किया है। यह जनजातीय समुदाय को नई पहचान देने तथा देश की स्वाधीनता की चेतना को जागरूक करने वाले भगवान बिरसा मुण्डा का 150वीं जयंती वर्ष भी है। बाबा साहब द्वारा रचित संविधान के 75 वर्ष पूर्ण हुए हैं। इस वर्ष की शुरुआत में प्रयागराज महाकुंभ के दर्शन करने का सौभाग्य मिला और आगामी 25 नवम्बर को 500 वर्षों की प्रतीक्षा के उपरान्त अयोध्या में निर्मित भगवान श्री रामलला मंदिर पर केसरिया झंडा लहराया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राष्ट्रीय एकता केवल एक शब्द नहीं, बल्कि हमारी आन-बान-शान है। कोई भी व्यक्ति, जाति व मजहब राष्ट्र से बढ़कर नहीं हो सकता। देशवासियों के लिए राष्ट्र प्रथम होना चाहिए। यदि राष्ट्र सुरक्षित है, तो हम भी सुरक्षित हैं।अंग्रेज नहीं चाहते थे कि भारत स्वतंत्र हो, इसके लिए उन्होंने भारत को विभिन्न तरीकों से बांटने की साजिश रची। इनमें से सबसे दुर्भाग्यपूर्ण विभाजन 14 अगस्त, 1947 को हुआ, जब अंग्रेजों ने भारत की दो भुजाओं को अलग कर एक बड़ी चोट दी। भारत को आजाद करते समय अंग्रेजों ने इसे दो हिस्सों में बाँटने की शर्त रखी। देशी रियासतों को भारत या पाकिस्तान में शामिल होने अथवा स्वतंत्र रहने की छूट दी गई।

यह लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की सूझ-बूझ तथा दृढ़ संकल्प ही था कि उन्होंने 563 रियासतों को शांतिपूर्ण ढंग से भारत का हिस्सा बनाकर लोगों के मन में जगह बना ली। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राष्ट्रीय एकता केवल एक शब्द नहीं, बल्कि हमारी आन-बान-शान है। यह हमारी आने वाली पीढ़ी का भविष्य है। बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय ने वर्ष 1876 में 'वन्दे मातरम्' गीत की रचना कर भारत की जन चेतना को जागृत करने के लिए स्वाधीनता संग्राम का एक मंत्र दिया था। उन्होंने भावी पीढ़ियों को यह संदेश दिया कि राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं होता।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इतिहास केवल पढ़ने का विषय नहीं, बल्कि आत्मावलोकन का अवसर प्रदान करता है। इतिहास की गलतियों का परिमार्जन हमें तत्परता से करना चाहिए। इतिहास के गौरवशाली क्षणों से प्रेरणा लेकर भविष्य को स्वच्छ और सुन्दर बनाना चाहिए। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में विगत 11 वर्षों में भारत शानदार यात्रा तय कर आगे बढ़ा है। इस यात्रा में देश का विकास, गरीबों का कल्याण तथा विरासत का सम्मान निहित है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्य सरकार 'एक जनपद एक उत्पाद योजना' के दायरे को आगे बढ़ा रही है। प्रत्येक क्षेत्र में समग्र विकास ही विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश का राज है। प्रदेश की संभावनाएं तथा सामर्थ्य खुलकर सामने आयी है। जब राष्ट्रीय एकता की बात हो, तो हमें आपसी मतभेदों से ऊपर उठकर राष्ट्र के प्रति समर्पण और 'राष्ट्र प्रथम' भाव के साथ एकता के सूत्र में बँधना चाहिए। इससे प्रधानमंत्री जी की मंशा के अनुरुप 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना साकार होगी। जब देश आजादी के 100 वर्ष पूर्ण कर रहा होगा, तब विकसित भारत के साथ विकसित उत्तर प्रदेश तथा विकसित बाराबंकी के सपने को साकार कर सकेंगे।

## उ0प्र0 में प्रतियोगिता की ट्रॉफी का आना प्रदेश में हॉकी के स्वर्णिम इतिहास का स्मरण और गौरवान्वित करने वाला क्षण : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 12 नवम्बर, 2025 को लखनऊ में 14वें एफ0आई0एच0 हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप की ट्रॉफी का स्वागत एवं अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हॉकी इण्डिया के तत्वावधान में 28 नवम्बर से 10 दिसम्बर, 2025 तक तमिलनाडु के चेन्नई और मदुरै नगरों में 14वां एफ0आई0एच0 हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप आयोजित किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता की ट्रॉफी आज उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आई है। प्रदेश में इस ट्रॉफी का आना प्रदेश में हॉकी के स्वर्णिम इतिहास का स्मरण कराता है। प्रदेशवासियों के लिए यह गौरवान्वित करने वाला क्षण है।

मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस विश्व कप में 24 देशों की टीमें प्रतिभाग करेंगी। इनमें भारत, जापान, चीन, स्पेन, बेल्जियम, न्यूजीलैण्ड, स्विट्जरलैण्ड, चिली, आयरलैण्ड, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, ऑस्ट्रिया, इंग्लैण्ड, मलेशिया, नीदरलैण्ड्स, नामीबिया, मिस्र, जर्मनी, अर्जेन्टीना तथा ओमान की टीमें सम्मिलित हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हॉकी इण्डिया में उत्तर प्रदेश का योगदान अविस्मरणीय है। हॉकी के जादूगर के रूप में विख्यात मेजर ध्यानचन्द का जन्म प्रदेश में ही हुआ था। मेजर ध्यानचन्द ने भारत को 03 ओलम्पिक स्वर्ण पदक दिलाकर सम्पूर्ण राष्ट्र को गौरवान्वित किया था। प्रदेश सरकार द्वारा मेजर ध्यानचन्द की स्मृतियों को जीवन्त बनाए रखने के लिए जनपद मेरठ में मेजर ध्यानचन्द स्पोर्ट्स विश्वविद्यालय का निर्माण कराया जा रहा है। इस विश्वविद्यालय में इस वर्ष से पहला सत्र प्रारम्भ किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रसिद्ध हॉकी खिलाड़ी पद्मश्री के0डी0 सिंह 'बाबू' की स्मृतियों को संजोते हुए उनकी जन्मस्थली बाराबंकी में स्थित पैतृक आवास को भव्य म्यूज़ियम के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रदेश के अनेक हॉकी खिलाड़ियों ने हॉकी इण्डिया को गौरवान्वित कर भारत को दुनिया में सम्मान दिलाया है। इनमें पद्मश्री मोहम्मद शाहिद, अशोक कुमार, रवीन्द्र पाल, सैयद अली, डॉ0 आर0पी0 सिंह, सुजीत कुमार, अब्दुल अजीज, सुबोध खण्डकर, रजनीश मिश्रा, मोहम्मद शकील, देवेश चौहान, एम0पी0 सिंह, जगवीर सिंह, विवेक सिंह, राहुल सिंह, दानिश मुजतबा, ललित उपाध्याय, राजकुमार पाल, प्रेममाया, रंजना श्रीवास्तव, मंजू बिष्ट, पुष्पा श्रीवास्तव, रजनी जोशी, वंदना कटारिया, रितुषा कुमारी आर्या, प्रीति दुबे सम्मिलित हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश के राजकुमार पाल, उत्तम सिंह, विष्णुकान्त सिंह, मुमताज, साक्षी, ज्योति, पूर्णिमा आदि हॉकी खिलाड़ी सीनियर, जूनियर महिला एवं पुरुष वर्ग की भारतीय टीमों में चयनित होकर प्रदेश व देश को गौरवान्वित कर रहे हैं।

इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गिरीश चन्द्र यादव, सचिव खेल एवं युवा कल्याण श्री सुहास एल0वाई0, खेल निदेशक डॉ0 आर0पी0 सिंह, महासचिव हॉकी इण्डिया श्री भोला नाथ सिंह, डी0जी0 हॉकी इण्डिया कमाण्डर आर0के0 श्रीवास्तव, महासचिव उत्तर प्रदेश हॉकी श्री रजनीश कुमार मिश्रा, अन्तरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी श्री ललित कुमार उपाध्याय सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

# स्टैच्यू ऑफ यूनिटी भारत की एकता की प्रतिमूर्ति, यह प्रधानमंत्री जी के विजन का परिणाम : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 12 नवम्बर, 2025 प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के 150वें जयंती वर्ष में गुजरात स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, एकता नगर में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' को समर्पित एवं 'देखो अपना देश' की पहल के अन्तर्गत आयोजित 'भारत पर्व 2025' में उत्तर प्रदेश की विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुति कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' पर पुष्प अर्पित कर लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल को श्रद्धांजलि दी तथा विजिटर बुक पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी', टीम पवेलियन एरिया, क्राफ्ट एण्ड फूड स्टॉल एरिया तथा स्टूडियो किचन एवं प्रोजेक्शन मैपिंग-शो का अवलोकन किया। 'भारत पर्व-2025' के अवसर पर प्रदेश के संस्कृति विभाग द्वारा राज्य के विभिन्न अंचलों से चयनित कलाकारों ने उत्तर प्रदेश की 'उन्नत संस्कृति एवं समग्र विकास' का भव्य प्रदर्शन किया, जिसका मुख्यमंत्री जी सहित अन्य महानुभाव ने अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री जी ने मां नर्मदा के पावन तट पर स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए कहा कि स्टैच्यू ऑफ यूनिटी भारत की एकता की प्रतिमूर्ति है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन का परिणाम है। यह भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा का केन्द्र बन रही है। विगत 07 वर्षों में यहां बहुत परिवर्तन हुए हैं। एक वीरान जगह को टूरिज्म के एक बेहतरीन डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित किया गया है। गुजरात में सरदार वल्लभ भाई पटेल की इस पावन धरा पर स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के सान्निध्य में भारत पर्व के आयोजन से हम जुड़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश से लेकर द्वारकापुरी तक का पूरा भाग आज यहां जुड़ रहा है। अरुणाचल प्रदेश का नेतृत्व वहां के राज्यपाल कर रहे हैं। विगत 07 वर्षों में यहां हुए कार्य भारत के विकास की प्रतिकृति हैं। देश का विकास इन्हीं मूल्यों और आदर्शों पर हुआ है। भारत पर्व इसी का उदाहरण है। मुख्यमंत्री जी ने विश्वास व्यक्त किया कि भारत पर्व प्रधानमंत्री जी के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के विजन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गुजरात ने सदैव से देश को एक राह दिखाई है। गुजरात की धरा से ही निकलकर आजादी के महानायक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भारत की स्वतंत्रता का मार्ग प्रशस्त किया था। स्वतंत्र भारत में हमें कैसा भारत चाहिए, इसके लिए अखण्ड भारत के शिल्पी लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की भी यह पावन धरा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के विजनरी नेतृत्व में भारत अपनी विरासत और अपने महापुरुषों के गौरवशाली विराट व्यक्तित्व को सम्मान दे रहा है। प्रधानमंत्री जी ने देश में विरासत, विकास और गरीब कल्याण की परम्परा को आगे बढ़ाया है। यह कार्य भावी पीढ़ी के लिए नई प्रेरणा बने हैं। प्रधानमंत्री जी ने देश को विकसित भारत के रूप में स्थापित करने का विजन दिया है। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी अपनी आस्था और विरासत के सम्मान का बेहतरीन उदाहरण है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में आज भारत दुनिया में तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ा है। भारत के समग्र विकास की दृष्टि से तथा युवाओं, अन्नदाता किसानों, श्रमिकों और महिलाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप विकास कार्य हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल अखण्ड भारत के शिल्पी थे। ब्रिटिशर्स नहीं चाहते थे कि भारत एक रहे। लेकिन गुजरात के करमसद में जन्मे भारत के सपूत सरदार वल्लभ भाई पटेल ने अपनी दूरदर्शिता से भारत को अखंड बनाये रखा। उन्होंने 563 देशी रियासतों को भारत गणराज्य का हिस्सा बनाकर एक भारत के रूप में बनाये रखा। विगत 11 वर्षों से हम प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में उसे एक भारत को श्रेष्ठ भारत बनते हुए देख रहे हैं। नया भारत देश की सुरक्षा, संप्रभुता और अखंडता के साथ कोई समझौता नहीं करता है। जो भी भारत की सुरक्षा में सेंध लगाएगा, वह उसकी कीमत भी चुकाएगा। विगत 11 वर्षों में हमने इसके उदाहरण देखे हैं।

इस अवसर पर अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल कैवल्य त्रिविक्रम परनायक, गुजरात के वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री अर्जुनभाई देवाभाई मोढ़वाडिया, उत्तर प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना, उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य एवं श्री ब्रजेश पाठक, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह, जल शक्ति मंत्री श्री स्वतंत्र देव सिंह तथा अन्य गणमान्य महानुभाव उपस्थित थे।

ज्ञातव्य है कि 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' को समर्पित एवं 'देखो अपना देश' की पहल के अन्तर्गत 'भारत पर्व 2025' (01 से 15 नवम्बर, 2025) में उत्तर प्रदेश की विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुति की गई है। इसके अन्तर्गत उत्तर प्रदेश की समृद्ध संस्कृति, लोक कला, संगीत तथा पारम्परिक व्यंजनों का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया गया है। साथ ही, ब्रज की रसधारा, अवध की विरासत, बुन्देलखण्ड की वीरता और पूर्वांचल की लोकधुनों पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां की गयीं। भारत दर्शन पैवेलियन में विभिन्न राज्यों के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों तथा सांस्कृतिक विशेषताओं का प्रदर्शन किया गया है। इसमें भारत की विविधतापूर्ण एवं नवीन हस्तकला प्रदर्शित करते हुए 55 क्राफ्ट स्टॉल लगाये गये हैं।

## भारत रत्न, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में विश्व प्रसिद्ध स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर पहली बार 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' को समर्पित एवं 'देखो अपना देश' की पहल के अंतर्गत 'भारत पर्व-2025' (1-15 नवंबर, 2025) में सम्मिलित होते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी।

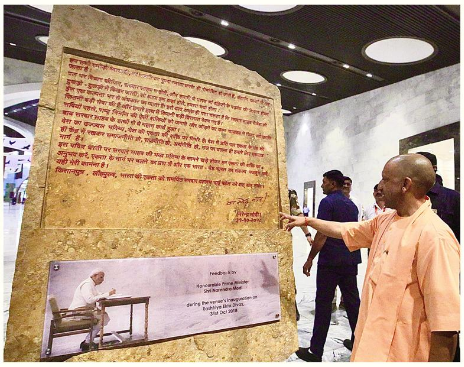

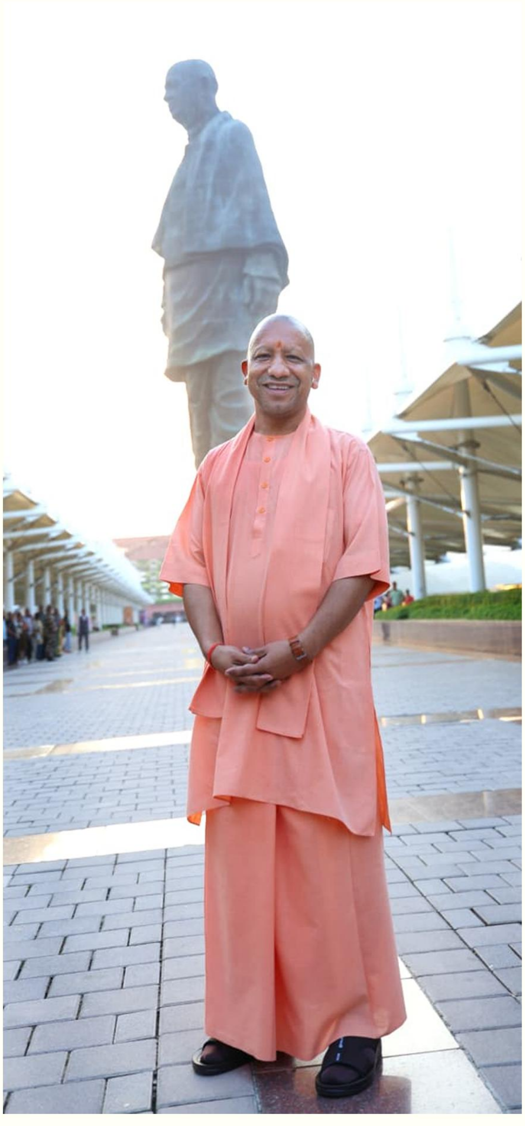

# उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुजरात के केवड़िया में भारत पर्व 2025 सांस्कृतिक कार्यक्रम का अवलोकन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी तथा अन्य।

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के लिए निदेशक श्री विशाल सिंह, आईएएस द्वारा प्रकाशित

## उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुजरात के केवड़िया में भारत पर्व 2025 सांस्कृतिक कार्यक्रम का अवलोकन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी तथा अन्य।

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के लिए निदेशक श्री विशाल सिंह, आईएएस द्वारा प्रकाशित